**Allocation for Textile Workers Rehabilitation Fund Scheme**

1086. SHRI MISA R. GANESAN: Will the Minister of TEXTILES be pleas-ad to state the budget allocation made under the Textile Workers Re habilitation Fund Scheme for the year 1992-93?

THE MINISTER OF, STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT); An amount of Rs. 60.00 crores has been allocated under the Textile Workers Rehabilitation Fund Scheme for the year 1992-93 .

**Import of Cotton**

1087. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) what are the details of announcements made during the last ona year by him/his Ministry in regard to import of cotton;

(b) what is the amount of cotton that has been imported during this year;

(c) what is the landed price thereof;

(>d) what are the names of importers of cotton; and

(e) what were the contracts made for import?

THE MINISTER OF, STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) to (e) Keeping in view the demands of the handloom sector, Government decided in April, 1992 to allow import of :upto 2 lakh bales of cotton free of import duty exclusively for the handloom sector under an arrangement for supply of hank yarn by spinning mills to the designated handloom agencies. However, no import of cotton has taken place so far under this arrangement due to subsequent changes in the domestic and international price situation.

**गुजरात में रियायती दरों पर सूत की आपूर्ति**

1088. **श्री राम सिंह राठवा** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार की गुजरात में बुनकरों को रियायती दरों पर सूत दिए जाने की कोई योजना है ;

(ख) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान गुजरात के बुनकरों को कितनी मात्रा में कच्चा माल उपलब्ध करवाया गया है ?

**वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलौत)** (क) और (ख) यद्यपि सरकार बुनकरों को रियायती मूल्यों पर सूत की आपूर्ति नहीं करती है लेकिन चालू वर्ष के दौरान कार्यान्वयन के लिए अभी हाल ही में हथकरघा बुनकरों को मिल रेट मूल्यों पर सूत की आपूर्ति की एक योजना घोषित की गई है । इस योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम सभी राज्यों जिसमें गुजरात भी शामिल है, के पात्र हथकरघा अभिकरणों को 10.00 मिलियन किलो ग्राम सूत की आपूर्ति करेगा ।

(ग) चूंकि वस्त्र उद्योग में प्रयोग होने वाला कच्चा माल पूरे देश में बेचा जाता है और इसका व्यापार और उपभोग अधिकांशत: प्राइवेट क्षेत्रों में है अत: गुजरात के बुनकरों को सप्लाई किए गए कच्चे माल की मात्रा का पता लगाना संभव नहीं है ।

**Per Capita Consumption of Fabric**

1089. SHRI KAMAL MORARKA: Will the Miniter of TEXTILES be pleased to state:

(a) what has been the per capita consumption of fabric in 1980 and 1990;